

में शरण तुम्हारी आया

अरि जय जगदम्बे माता
में शरण तुम्हारी आया
जब जब कष्ट पड़े भक्तो पर
तब तब कृपा करि माँ उनपर
ओ रखती भक्तो से नाता
में शरण तुम्हारी आया।।

अरि जय जगदम्बे माता
में शरण तुम्हारी आया।।

घर घर विविध रूप कल्याणी
बड़े बड़े असुर हरे महारानी।।
पार कोई नहीं है पाता
में शरण तुम्हारी आया
अरि जय जगदम्बे माता
में शरण तुम्हारी आया।।

अब कर कृपा दया मई माता
शीश तेरे चरणों में नवता
सदा गन तेरे ही गता
में शरण ही तुम्हारी आया

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21342/title/main-sharn-tumhari-aya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |